भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *282

दिनांक 12 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

.....

उत्तर प्रदेश में भूजल स्तर

*282. श्री अरुण गोविलः

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश के मेरठ और हापुड़ जिलों में ब्लॉक-वार भूजल स्तर की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ख) सरकार द्वारा मेरठ लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में भूजल स्तर में सुधार के लिए क्या प्रयास किए गए हैं/किए जा रहे हैं और उनसे क्या सुधार हुए हैं?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री
(श्री सी आर पाटील)

(क) और (ख): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'उत्तर प्रदेश में भूजल स्तर' के संबंध में दिनांक 12.03.2026 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न सं. *282 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क): देश में भूजल स्तरों की नियमित निगरानी इस मंत्रालय के अधीन केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और संबंधित राज्य सरकारों द्वारा की जाती है। नवंबर/दिसंबर 2025 के दौरान मानसून के बाद की निगरानी के दौरान सीजीडब्ल्यूबी द्वारा हापुड़ और मेरठ जिलों के लिए ब्लॉक-वार भूजल स्तर के आंकड़े अनुलग्नक में दिए गए हैं। उक्त आंकड़ों के अवलोकन से पता चलता है कि हापुड़ जिले में विश्लेषण किए गए कुओं में से 50% और मेरठ जिले में विश्लेषण किए गए कुओं में से 77.78% में भूजल स्तर जमीन के स्तर से 0-20 मीटर नीचे (एमबीजीएल) दर्ज किया गया है।

(ख): 'जल' के राज्य का विषय होने के कारण, भूजल संबंधी मुद्दों के समाधान का मुख्य उत्तरदायित्व संबंधित राज्य सरकारों का है। हालांकि, केंद्र सरकार अपनी विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के माध्यम से तकनीकी और वित्तीय सहायता से राज्य सरकारों के प्रयासों को संपूरित करती है। इस दिशा में जल शक्ति मंत्रालय और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा देश के भूजल संसाधनों में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिनमें मेरठ लोकसभा क्षेत्र भी शामिल है, इसके तहत मेरठ और हापुड़ जिले के कुछ हिस्से शामिल हैं। ऐसी विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:-

i. देश के जल/भूजल संसाधनों की वृद्धि के लिए सरकार के प्रयास मुख्य रूप से जल शक्ति अभियान (जेएसए) के माध्यम से किए जा रहे हैं, जो जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण गतिविधियों को शुरू करने के लिए एक वार्षिक मिशन मोड कार्यक्रम है। जेएसए के तहत उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अब तक देश में सम्मिलन के माध्यम से 2 करोड़ से अधिक जल संरक्षण और कृत्रिम पुनर्भरण कार्य आरंभ किए जा चुके हैं, जिनमें मेरठ में 8,221 संरचनाएं और हापुड़ जिले में 1,538 संरचनाएं शामिल हैं, जिन्होंने भूजल संसाधनों की स्थिरता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
ii. जल शक्ति अभियान (जेएसए) की गति को और मजबूत करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री ने वर्ष 2024 में जल संचयन जन भागीदारी (जेएसजेबी) पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य देश में वर्षा जल संचयन को एक जन आंदोलन बनाना है। सामुदायिक स्वामित्व और जिम्मेदारी को बढ़ावा देकर, यह पहल विभिन्न क्षेत्रों में जल से जुड़ी विशिष्ट चुनौतियों के अनुरूप किफायती और स्थानीय समाधानों करती है। अब तक, इस पहल के तहत देश भर में 44 लाख से अधिक वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है, जिनमें क्रमशः मेरठ और हापुड़ जिले में 535 और 325 संरचनाएं शामिल हैं।
iii. जल शक्ति मंत्रालय ने सामुदायिक भागीदारी पर आधारित अपनी तरह की एक श्रेष्ठ योजना, अटल भूजल योजना को उत्तर प्रदेश सहित सात राज्यों की 8,203 प्राथमिकता प्राप्त जल संकटग्रस्त ग्राम पंचायतों में सफलतापूर्वक लागू किया है। इस योजना के अंतर्गत मेरठ जिले के खरखोड़ा और राजपुरा ब्लॉक की 57 ग्राम पंचायतें शामिल हैं।

इसके अलावा, इस योजना के कार्यान्वयन क्षेत्र में 376 वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाएं, जैसे कि चेक डैम, तालाब, पुनर्भरण कुएं आदि का निर्माण किया गया है और लगभग 6,800 हेक्टेयर क्षेत्र को ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर आदि जैसी कुशल सिंचाई पद्धतियों के अंतर्गत लाया गया है। परिणामस्वरूप, वर्ष 2023 से वर्ष 2025 तक किए गए आवधिक आकलन के दौरान 57 ग्राम पंचायतों में से 34 ग्राम पंचायतों के भूजल स्तर में सुधार देखा गया है।

iv. भारत सरकार द्वारा मिशन अमृत सरोवर भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य जल भंडारण और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 जल निकायों का विकास और उन्हें संरक्षित करना था। इसके परिणामस्वरूप, देश में लगभग 69,000 अमृत सरोवर बनाए/ संरक्षित किए गए हैं, जिनमें से 152 मेरठ में और 111 हापुड़ जिले में हैं।

v. केंद्रीय भूजल बोर्ड ने अपने राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण एवं प्रबंधन (एनएक्यूयूआईएम) कार्यक्रम के तहत देश के 25 लाख वर्ग किलोमीटर के संपूर्ण मानचित्रण योग्य क्षेत्र को कवर किया है और जिला स्तरीय जलभृत मानचित्रों के साथ-साथ उपयुक्त जलभृत प्रबंधन योजनाओं को मेरठ और हापुड़ सहित सभी राज्य और जिला प्रशासनों के साथ आगे के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के लिए साझा की गई हैं।

vi. सीजीडब्ल्यूबी ने मेरठ और हापुड़ जिलों सहित संपूर्ण देश के लिए भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण हेतु मास्टर प्लान- 2020 भी तैयार किया है और इसे राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया है, ताकि यह वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के लिए एक तकनीकी गाइडबुक के रूप में कार्य कर सके।

vii. इसके अतिरिक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा इन क्षेत्रों में जल संरक्षण और कृषि हेतु जल उपयोग दक्षता बढ़ाने पर कई केंद्रित योजनाएं लागू की जा रही हैं, जैसे पर ड्रॉप मोर क्रॉप (पीडीएमसी), जो सूक्ष्म सिंचाई और फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सीडीपी) को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, तथा किसानों को बाजरा, दालें आदि जैसी जल की कम खपत वाली फसलों की ओर शिफ्ट होने के लिए प्रोत्साहित करती है।

जल संचयन और पुनर्भरण के लिए भौतिक अवसंरचना उपलब्ध कराने के अलावा, उपरोक्त पहलों का प्रभाव मेरठ और हापुड़ जिलों सहित देश में, भूजल स्थिति में लगातार सुधार के रूप में भी देखा जा सकता है। इस तरह के सुधार को राज्य सरकारों के समन्वय से सीजीडब्ल्यूबी द्वारा वार्षिक रूप से आयोजित गतिशील भूजल संसाधन आकलन अभ्यास के माध्यम से बेहतर ढंग से समझा जा सकता है।

भूजल संसाधनों के आंकड़ों के तुलनात्मक विश्लेषण से पता चलता है कि हापुड़ जिले में भूजल दोहन का स्तर (एसओई), जो सभी उपयोगों के लिए कुल वार्षिक भूजल दोहन और कुल निष्कर्षण योग्य भूजल का अनुपात है, वर्ष 2017 में 107.34% (अति-दोहित) से वर्ष 2025 में 93.93% (गंभीर) तक सुधार हो गया है। इसी प्रकार, में इसी अवधि में मेरठ जिले में एसओई में 84.01% से 78.89% तक सुधार हो गया है।

*****

अनुलग्नक

"उत्तर प्रदेश में भूजल स्तर" के संबंध में दिनांक 12.03.2026 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न संख्या *282 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

हापुड़ जिले में मानसून पश्चात वर्ष 2025 के दौरान जल स्तर की ब्लॉक-वार गहराई दर्ज की गई

जिला	ब्लॉक	निगरानी कुओं की सं.	भू स्तर के नीचे मीटर(एमबीजीएल) में दर्ज की गई जल स्तर की सीमा
हापुड़	गढ़मुक्तेश्वर	1	10-20 मीटर के बीच
	हापुड़	1	20-40 मीटर के बीच
	कुल	2	1 कुआं 10-20 मीटर (50%) के बीच 1 कुआं 20-40 मीटर (50%) के बीच

*हापुड़ के ढोलाना और सिंभोली ब्लॉकों में सीजीडब्ल्यूबी का कोई निगरानी स्टेशन नहीं है।

मेरठ जिले में मानसून पश्चात वर्ष 2025 के दौरान ब्लॉक-वार गहराई और दर्ज जल स्तर

जिला	ब्लॉक	निगरानी कुओं की सं.	भू स्तर के नीचे मीटर(एमबीजीएल) में दर्ज की गई जल स्तर की सीमा
मेरठ	हस्तिनापुर	1	10 -20 मीटर के बीच
	जानिखुर्द	2	0 -2 मीटर के बीच एवं 5 -10 मीटर के बीच
	खरखौड़ा	1	20 -40 मीटर के बीच
	मवाना कलान	2	5 -10 मीटर के बीच एवं 10 -20 मीटर के बीच
	मेरठ	1	20 -40 मीटर के बीच
	परीक्षित गढ़	1	10 -20 मीटर के बीच
	सरधना	1	5 -10 मीटर के बीच
	कुल	9	1 कुआं 0 -2 मीटर (11.1%) के बीच 3 कुएं 5 -10 मीटर (33.3%) के बीच 3 कुएं 10 -20 मीटर (33.3%) के बीच 2 कुएं 10 -20 मीटर (22.2%) के बीच

*सीजीडब्ल्यूबी का मेरठ के दौराला, मछ्ड़ा, राजपुरा, रोहता और सरूरपुर ब्लॉक में कोई निगरानी स्टेशन नहीं है।

*****